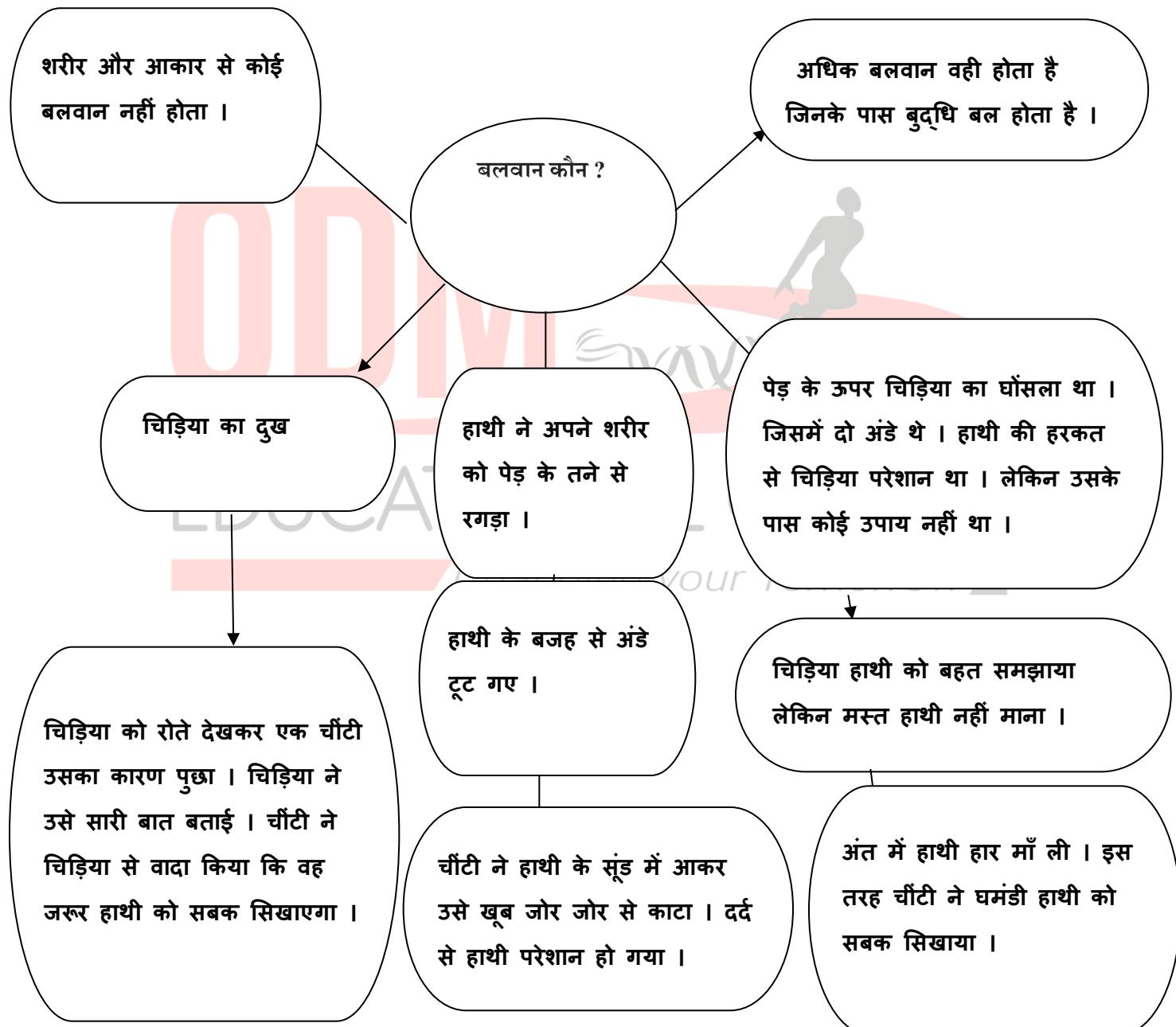


Chapter- 6

बलवान कौन ?

STUDY NOTES

MIND MAP



पाठ प्रवेश

- अपने शरीर और आकार से कोई भी बलवान नहीं होता । अधिक बलवान वही होता है, जिनके पास बुद्धि -बल होता है । सही अर्थ में अच्छे कर्म ही प्राणी को बड़ा बनाते हैं । कुछ प्राणी अपने शरीर के आकार को ले कर बड़ा घमंड करते हैं, इसी वजह से वह दूसरों को दुख और कष्ट देते हैं । उनके हृदय में दया और करुणा की भावना उस समय नहीं रहता । हाथी और चींटी की कहानी जानवरों के शारीरिक गठन और उनकी बुद्धि की परिचायक है । हाथी आकार में तो विशाल है, परंतु आकार के अनुरूप बुद्धिमान नहीं । चिड़िया हाथी की शक्ति से डरकर उससे पेड़ को न हिलाने की विनती करने लगी, जबकि एक छोटो चींटी ने उसे सामने से ललकारा और अपनी बुद्धि में उसके अहंकार को भी तोड़ दिया ।

पाठ सार

एक जंगल में एक घमंडी हाथी रहता था. वो जंगल में सभी जानवरों को परेशान करता था. कभी गंदे नाले से सूँड में पानी

भरकर उन पर फेंक देता, तो कभी अपनी ताक़त का प्रदर्शन करके उन्हें डराता.. उसी जंगले के एक पेड़ के ऊपर एक

चिड़िया अपने घोंसला के अंदर था । घोंसले के अंदर चिड़िया के दो अंडे रखे हुए थे । जब हाथी ने मस्त हो कर अपने

शरीर को पेड़ के तने से रगड़ने लगा तब चिड़िया डरगई । हाथी से विनम्रता से पूछा कि आप दूसरों को क्यों परेशान करते

हो? यह आदत अच्छी नहीं है. ये सा मत करो ये सा करने से उसके अंडे गिर जाएंगे। लेकिन हाथी नहीं माना, उसने घोंसला को गिरा

दिया और अंडे टूट गए। दुखी चिड़िया रोने लगी। उसी समय एक चींटी चिड़िया से उसके रोने का कारण पुछा। चिड़िया सारा

किस्सा उसे बताया। चींटी चिड़िया से वादा किया कि वह हाथी को जरूर सबक सिखाएगा। उसके उपरांत चिड़िया हाथी को ललकारा

। छोटी सी चींटी को देखकर हाथी उसका मजाक उड़ाने लगा। परंतु चींटी हाथी की परवाह नहीं की।

यह सुनकर हाथी चींटी को धमकाया कि तुम अभी बहुत छोटी हो, अपनी जुबान पर लगाम लगाकर रखो, मुझे

मत सिखाओ कि क्या सही है, क्या ग़लत वरना तुम्हें भी कुचल दूंगा। यह सुन चींटी निराश हुई, लेकिन उसने

मन ही मन हाथी को सब सिखाने की ठानी। चींटी पास ही एक झाड़ी में छिप गई और मौका देखते ही चुपके से हाथी की

सूँड़ में घुस गई। फिर उसने हाथी को काटना शुरू कर दिया। हाथी परेशान हो उठा। उसने सूँड़ को ज़ोर-ज़ोर से हिलाया,

लेकिन कोई फ़ायदा नहीं हुआ। हाथी दर्द से कराहने और रोने लगा। यह देख चींटी ने कहा कि हाथी भइया, आप दूसरों को परेशान

करते हो, तो बड़ा मज़ा लेते हो, तो अब खुद क्यों परेशान हो रहे हो?

हाथी को अपनी ग़लती का एहसास हो गया और उसने चींटी से माफ़ी मांगी कि आगे से वो कभी किसी को नहीं सताएगा।

चीटी को उस पर दया आ गई. वो बाहर आकर बोली कि कभी किसी को छोटा और कमज़ोर नहीं समझना चाहिए.

यह सुन हाथी बोला कि मुझे सबक मिल चुका है. मुझे अच्छी सीख दी तुमने. अब हम सब मिलकर रहेंगे और कोई किसी को परेशान नहीं करेगा.

सीख: घमंडी का सिर सदा नीचे होता है. कभी किसी को कमज़ोर और छोटा न समझें. दूसरों के दर्द व तकलीफ को समझना ही जीने का सही तरीका है।

